गतिविधि शीट I : आपके आकाश में चीलें

'All that breathes' फ़िल्म के पोस्टर में दिखाई गई चील एक काली चील है। आपने इसे कूड़े के ढेरों पर और लैंडफ़िल पर भोजन (मरे हुए जीव-जन्तुओं) की खोज में मँडराते हुए या झपट्टा मारकर ज़िन्दा मछलियों, चूहों, चमगादड़ों और दूसरे छोटे जानवरों को पकड़ते देखा होगा। यह भारत में देखी जाने वाली चार प्रकार की चीलों में से एक है :

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

देखें और चर्चा करें :

- *विभिन्न प्रकार की चीलों के उड़ते समय लिए गए फ़ोटो का अवलोकन करें। क्या आप ऐसे कोई लक्षण देख पाए जो सबमें एक जैसे हों और आपके आस-पास दिखने वाले पक्षियों से अलग हों?*

- *क्या आप चारों प्रकार की चीलों को अलग-अलग पहचान सकते हैं? इनमें पहचाने जा सकने वाले सबसे महत्त्वपूर्ण अन्तर कौन-से हैं?*

- *तालिका में बाईं ओर इन पक्षियों के कुछ लक्षण दिए गए हैं। जब आप इन्हें आकाश में देखते हैं तो शायद इन लक्षणों में से एक या अधिक को देख सकेंगे। आप इन लक्षणों का विवरण अपने दोस्तों को कैसे देंगे? उदाहरण के लिए, यह सोचें कि आप चीलों के फ़ोटो में प्रत्येक गुणधर्म में आकार, आकृति और रंग के बारे क्या देख सकते हैं।*

यह कैसा दिखता है?	***(क)***	***(ख)***	***(ग)***	***(घ)***
सिर				
आँखें				
चोंच				
पंख				
पूँछ				
शरीर				

- *जो लोग नियमित रूप से पक्षियों का अवलोकन करते हैं वह इन्हें कुछ नामों से बुलाते हैं। इन प्रचलित नामों से हमें चीलों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। क्या आप इन पक्षियों के प्रचलित नामों का मेल उनके फ़ोटो से कर सकते हैं?*

फ़ोटो	***प्रचलित नाम***
(क)	*ब्राह्मिनी चील*
(ख)	*काले पंखों वाली चील*
(ग)	*काले कान वाली चील*
(घ)	*काली चील*

- *क्या आप इन चीलों के लिए एक अलग नाम सोच सकते हैं? यह अँग्रेज़ी या किसी दूसरी भाषा में हो सकता है। ऐसा नाम चुनें जो आपके दोस्तों को पक्षी को (उड़ते हुए भी) पहचानने में मदद करे। नाम ऐसा चुनें जो बहुत लम्बा न हो और याद रखने में मुश्किल भी नहीं।*

- *इन पक्षियों को आकाश में ख़ुद देखें और अपने अवलोकन नीचे दी गई तालिका में दर्ज करें।*

अवलोकन	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
क्या आपने इस पक्षी को अपने आकाश में देखा है?				
आपने दिन के किस समय में इस पक्षी को आकाश में देखा है?				
यह पक्षी कितना बड़ा है? कौए से तुलना करके बता सकते हैं।				
इसके पंख कितने चौड़े हैं? तुलना इसके शरीर की लम्बाई से कर सकते हैं।				
आप इसकी उड़ान का वर्णन अपने दोस्तों के लिए कैसे करेंगे?				
क्या आपने इस पक्षी को शिकार करते या खाते हुए देखा है? यह क्या खाता है?				
यह शिकार करने और खाने के लिए अपनी आँखों, चोंच और पंजों का इस्तेमाल कैसे करता है?				
इस पक्षी में आप कोई और लक्षण देख पाए?				

चित्रों के स्रोत :

(क) Ron Knight from Seaford, East Sussex, United Kingdom, Wikimedia Commons. URL: https://bit.ly/41GkEvo. License: CC-BY 2.0. Generic Deed.
(ख) Dr. Raju Kasambe, Wikimedia Commons. URL: https://bit.ly/3Dfndul. License: CC-BY-SA 4.0 International Deed.
(ग) Dhaval Vargiya, Wikimedia Commons. URL: https://commons.wikimedia.org/wiki/File:Black-winged_Kite_at_Rajkot.jpg. License: CC-BY-SA 4.0 International Deed.
(घ) Rakeshkdogra, Wikimedia Commons. URL: https://commons.wikimedia.org/wiki/File:Brahminy-kite.jpg. License: CC-BY-SA 3.0 Unported Deed.

रचनाकार :
चित्रा रवि अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलूरू में कार्यरत हैं।
अनुवाद : अरविन्द गुप्ते **पुनरीक्षण :** सुशील जोशी **कॉपी एडिटर :** अतुल अग्रवाल

गतिविधि शीट I और II

गतिविधि शीट I और II कक्षा-3,4,5 के विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विज्ञान के प्रोजेक्ट के रूप में बनाई गई हैं। इन्हें निम्नलिखित के साथ जोड़ा जा सकता है :

- कक्षा-3 की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तक (एनसीईआरटी, 2024-2025) की इकाई-2 (हमारे आस-पास जीवन)। यह इकाई शिक्षकों और विद्यार्थियों को अपने आस-पास के जन्तुओं और पौधों के अवलोकन का आनन्द लेने के लिए आमंत्रित करती है : "हम जितना ज़्यादा उन्हें देखते हैं, उतना ही हमें उनके मोहक जीवन के बारे में सीखने को मिलता है। यह जिज्ञासा हमें और अधिक खोज करने के लिए प्रेरित करती है जिससे हमें नई और रोमांचक बातों की जानकारी मिलती है। पौधों और जन्तुओं, दोनों की भलाई को पहचानकर उसका सम्मान करना पारिस्थितिक सन्तुलन बनाए रखने और एक संवेदनशील समाज की रचना के लिए आवश्यक है।"
- कक्षा-5 की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तक (एनसीईआरटी, 2024-2025) का अध्याय-1 (कैसे पहचाना चींटी ने दोस्त को?)। इस अध्याय में बच्चे शिकारी पक्षियों की शक्तिशाली दृष्टि के बारे में सीखते हैं।

हर गतिविधि को 2-3 दिन में किया जा सकता है। हर शीट में कुछ कार्य ऐसे हैं जिन्हें कक्षा में किया जा सकता है, और कुछ ऐसे हैं जिन्हें कक्षा के बाहर किया जा सकता है। कक्षा में किए जाने वाले कार्य के लिए तीन घण्टे का समय देने की योजना बनाएँ।

कक्षा में किए जाने वाले कार्य के लिए :

- कम्प्यूटर या मोबाइल फ़ोन पर यह फ़िल्म दिखाकर दोनों गतिविधियों का परिचय करवाएँ। यदि यह सम्भव न हो तो इस अंक का लेख 'वह सब जो साँस लेते हैं : शिकारी पक्षी क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?' पढ़ें। फिर चीलों की 'देखभाल करने वालों' की कहानी संक्षेप में सुनाएँ।
- कक्षा की शुरुआत में गतिविधि शीट I में चार प्रकार की चीलों के छायाचित्रों और गतिविधि शीट II में अन्य शिकारी पक्षियों के छायाचित्रों का अवलोकन करने के लिए 5-10 मिनट का समय दें।
- हर गतिविधि के लिए स्पष्ट निर्देश दें। विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि उन्हें अपने अवलोकनों को हर शीट में दी गई तालिका में दर्ज करना है।
- अपने अवलोकनों को दर्ज करने और हर शीट में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त समय दें। विद्यार्थियों के अवलोकनों और उनके प्रश्नों पर चर्चा करवाएँ।

कक्षा के बाहर किए जा सकने वाले कार्यों के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें कि :

- यदि विद्यार्थी एक ही इलाक़े में रहते हैं तो उन्हें साथ-साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इन पक्षियों को परेशान किए बिना या हानि पहुँचाए बिना उनका सावधानीपूर्वक अवलोकन करें। (यह कार्य करवाने से पहले शायद आप दोनों शीट की तालिका में सूचीबद्ध किए गए अवलोकनों के प्रकार की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना चाहें)।
- समुदाय के बुज़ुर्गों से चर्चा करें। इन पक्षियों के बारे में उनकी बात ध्यान से सुनें और बताए गए विवरण को नोटबुक या गतिविधि शीट में लिखें।

उन प्रश्नों को नोट करें जिनके उत्तर कक्षा में चर्चा के दौरान नहीं दिए गए थे। इन्हें आप बाद में ले सकते हैं। या आप अपने विद्यार्थियों को स्वयं इन्हें खोजकर उनके निष्कर्ष कक्षा में साझा करवा सकते हैं।

विद्यार्थियों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करें कि सभी जीवधारी एक-दूसरे पर और पर्यावरण पर, जिसके हम भाग हैं, किस प्रकार परस्पर निर्भर हैं। विद्यार्थियों को अपने परिसर का ध्यानपूर्वक अवलोकन करने और उनके समुदायों के जीवन्त अनुभव से सीखने के लिए प्रोत्साहित करके हम उनमें देखभाल करने की, सहानुभूति और करुणा की भावना विकसित कर सकते हैं, यहाँ तक कि उन जन्तुओं के लिए भी जो लोगों को डरावने या घृणास्पद लगते हैं।

रचनाकार :
राधा गोपालन एक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं और उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। पर्यावरणीय परामर्श में 18 वर्ष व्यतीत करने के बाद उन्होंने ऋषि वैली शिक्षा केन्द्र, आन्ध्र प्रदेश में पर्यावरण विज्ञान का अध्यापन किया। वह अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ डेवलपमेंट से सम्बद्ध हैं। साथ ही, वह कुडाली इंटरजेनरेशनल लर्निंग सेंटर, तेलंगाना की भी सदस्य हैं।

अनुवाद : अरविन्द गुप्ते **पुनरीक्षण :** सुशील जोशी **कॉपी एडिटर :** अतुल अग्रवाल